कोटद्वार, शुक्रवार
3 अप्रैल 2026
वर्षः 48
अंकः 303 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

अपनी एयरफोर्स को मिलेगा हाईटेक माउंटेन रडार

● दुश्मनों पर रहेगी पैनी नजर, 1950 करोड़ रुपए में हुई डील

डीआरडीओ द्वारा डिजाइन, बीईएल द्वारा निर्मित स्वदेशी रडार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। भारतीय वायुसेना के लिए आधुनिक माउंटेन रडार खरीदने का समझौता किया गया है, जिससे पहाड़ी इलाकों में निगरानी और सुरक्षा क्षमता और मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 1950 करोड़ रुपये का बड़ा करार किया है। इस समझौते के तहत भारतीय वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार और उनसे जुड़े उपकरण व इंफ्रास्ट्रक्चर खरीदे जाएंगे।

इन रडार की तैनाती और संचालन से देश की एयर डिफेंस क्षमता बढ़ेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। साथ ही इससे विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी।

ये रडार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाए गए हैं। इन्हें डीआरडीओ के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और विकसित किया है। इनका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और मेक इन इंडिया पहल को मजबूती मिलेगी। यह करार बाय (इंडियन-इंडिजिनसली डिजाइन, डेवलप और मैन्युफैक्चर) श्रेणी के तहत किया गया है, जिसका मतलब है कि उत्पाद पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित होगा। इस समझौते पर 31 मार्च को रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यह पिछले वित्त वर्ष का आखिरी बड़ा रक्षा खरीद सौदा भी रहा।

ब्रह्मोस, तेजस और आकाश ने किया 'बम-बम'

● दुनिया ने माना लोहा, भारत बना बड़ा निर्यातक देश

भारत ने 38,424 करोड़ के बेचे स्वदेशी हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा निर्यात में वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में डिफेंस एक्सपोर्ट का आंकड़ा रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपए के मुकाबले 62.66 फीसदी ज्यादा है। सरकार के अनुसार, इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) और निजी क्षेत्र, दोनों का अहम योगदान रहा। कुल निर्यात में डीपीएसयू का हिस्सा 54.84 फीसदी और निजी कंपनियों का 45.16 प्रतिशत रहा। इस कामयाबी पर

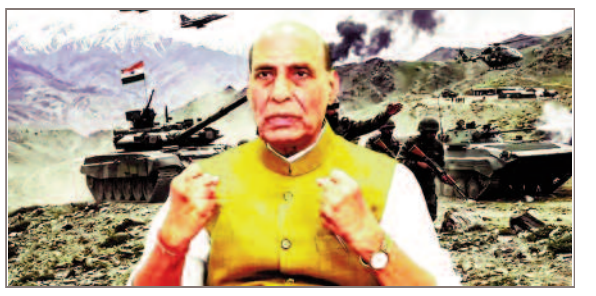

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश सफलता की शानदार कहानी लिखा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि रक्षा निर्यात में यह बड़ी छलांग भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं पर बढ़ते वैश्विक भरोसे को दर्शाती है। देश रक्षा निर्यात में सफलता की शानदार कहानी लिख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले वित्त वर्ष तुलना में काफी ज्यादा है।

भारत से इन हथियारों की सबसे ज्यादा डिमांड

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को घुटनों पर लाने के बाद भारत लगातार अपनी सैन्य क्षमता को और मजबूत बनाने में जुटा है। इसके लिए अत्याधुनिक हथियारों पर फोकस बढ़ाया गया है। यही नहीं भारत स्वदेशी हथियारों पर ज्यादा ऐक्टिव है। वहीं भारत से कई देश हथियारों की खरीद बढ़ा रहे, जिसकी वजह से डिफेंस एक्सपोर्ट रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ा है। ऐसा होने की वजह भारतीय से एक्सपोर्ट हथियारों पर इन देशों को ज्यादा भरोसा होना है। जानें वो कौन–कौन से हथियार हैं जिस पर दूसरे देश भरोसा जता रहे। भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश मिसाइल पर भी दुनिया की निगाहें हैं। कई देश इन मिसाइल सिस्टम को पसंद कर रहे। सऊदी अरब, वियतनाम और केन्या समेत कई राष्ट्र ऐसे हैं जो आकाश मिसाइल सिस्टम की डिमांड कर चुके हैं। भारत की पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर की भी डिमांड कई देशों तेजी से बढ़ रही। ऐसा इसलिए क्योंकि ये ऐसी टेक्नोलॉजी है जो एक साथ कई रॉकेट दाग सकता है। इसकी रेंज 75 से 120 किलोमीटर तक है। यह जीपीएस तकनीक से काम करता है। आर्मेनिया को ये सिस्टम भेजा गया है। कुछ दक्षिण अमेरिकी देशों में भी इसकी डिमांड है।

होर्मुज संकट पर ईरान ने कर दिया बड़ा ऐलान

कहा-हमारे भारतीय दोस्त सुरक्षित, उन्हें नहीं रोकेंगे

भारत को मित्र देश बताया, सुरक्षा भी सुनिश्चित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने भारत को बड़ी राहत देते हुए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने का आश्वासन दिया है। ईरान ने भारत को मित्र देश बताते हुए कहा है कि भारतीय ध्वज वाले जहाज और उसमें सवार नाविक सुरक्षित हैं, जिससे एलपीजी और तेल की आपूर्ति बनी रहेगी। ईरान ने कहा है कि भारतीय मित्रों को होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को लेकर कोई चिंता करने की जरूरत नहीं।

● **अब तक 8 जहाज पार कर चुके हैं होर्मुज–** अब तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज से निकल चुके हैं। इनमें दो एलपीजी कैरियर बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एल्म शामिल हैं, जिनमें कुल लगभग 94,000 टन एलपीजी का कार्गो था। वर्तमान में भारत के लिए 19 जहाज एलपीजी, कच्चे तेल और एलएनजी लेकर होर्मुज में फंसे हुए हैं। 10 विदेशी झंडे वाले जहाज भारत के लिए ऊर्जा कार्गो लेकर फंसे हैं। इनमें 3 एलपीजी भी हैं।

राजस्थान पंचायत और निकाय चुनाव में देरी पर हाईकोर्ट सख्त

जारी किया अवमानना नोटिस, 4 सप्ताह में देना होगा जवाब

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव कराने में हो रही देरी को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग और

राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा है कि हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों की जा रही है। यह पूरा मामला पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की ओर से दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है।

● **सरकार और आयोग पर चुनाव टालने का आरोप–** सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार और चुनाव आयोग जानबूझकर चुनाव टालने की कोशिश कर रहे हैं। आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम से यह स्पष्ट है कि 15 अप्रैल तक चुनाव होना नामुमकिन है। दूसरी ओर, सरकार की तरफ से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने पक्ष रखते हुए कहा कि सरकार चुनाव की तारीखें आगे बढ़ाने के लिए एक प्रार्थना पत्र दायर करने वाली है। हालांकि, कोर्ट ने सरकार के इस तर्क को फिलहाल दरकिनार करते हुए कहा कि प्रार्थना पत्र बाद की स्थिति है।

राघव चड्ढा को एएपी ने डिप्टी लीडर पद से हटाया

● सांसद के राज्यसभा में बोलने पर भी लगा दी पाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखते हुए सदन में अपने डिप्टी लीडर राघव चड्ढा को उनके पद से हटाने का आग्रह किया है। पार्टी ने अपने पत्र में ये भी कहा है कि राघव चड्ढा को आप के कोटा से बोलने का समय भी न दिया जाए। इसके साथ ही पार्टी ने एक पत्र राज्यसभा सचिवालय को लिखा है, जिसमें राघव चड्ढा की जगह अशोक मित्तल को डिप्टी स्पीकर बनाने का अनुरोध किया है। अशोक मित्तल पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद हैं। उनका चयन अप्रैल 2022 में राज्यसभा में हुआ था। तब से ही वह कई संसदीय समितियों के सदस्य रह चुके हैं। इनमें रक्षा समिति, वित्त समिति प्रमुख है।

आई पैक के दिल्ली-बेंगलुरु हैदराबाद के ठिकानों पर रेड

● ईडी ने कस दिया शिकंजा, कोयला घोटाले से जुड़ा है मामला

कंपनी ममता की पार्टी टीएमसी का चुनाव मैनेजमेंट देख रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को पॉलिटिकल कंसल्टेंट कंपनी आई पैक के तीन ठिकानों पर छापेमारी की। टीम दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में कंपनी के दफ्तरों पर कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, छापेमारी कोयला चोरी और घोटाले से जुड़े मामले में हो रही है। कंपनी के को-फाउंडर और डायरेक्टर ऋषि राज सिंह के ठिकाने भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं। आई पैक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के लिए चुनाव मैनेजमेंट का काम देखती है। आई पैक और उसके डायरेक्टर पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इस मामले में ईडी ने 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। पूरा मामला करीब 2,742 करोड़ रुपए से जुड़ा है। इससे पहले जनवरी में ईडी ने कोलकाता में आई पैक के दफ्तर और डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की थी। हाल ही में ईडी ने सिंह और जैन को बयान दर्ज कराने के लिए समन भेजा था। दोनों ने इन नोटिस को रद्द कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। उनका कहना है कि वे बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव में व्यस्त हैं। 8 जनवरी को ईडी की टीम ने प्रतीक जैन को घेरा था।

राज्यसभा की बैठक 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित

सरकार ने महत्वपूर्ण विधेयक लाने का दिया संकेत

नई दिल्ली,राज्यसभा की बैठक बृहस्पतिवार को 16 अप्रैल पूर्वाह्न 11 बजे के लिए स्थगित की गयी तथा उच्च सदन में सरकार की ओर से संकेत दिया गया कि वह कोई 'महत्वपूर्ण विधेयक लाने वाली है. संसद के बजट सत्र के पूर्व–घोषित कार्यक्रम के अनुसार बैठक को आज अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया जाना था किंतु उपसभापति हरिवंश ने आज बैठक को 16 अप्रैल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित किया.उच्च सदन में आज आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक तथा जन विश्वास संशोधन विधेयक पर चर्चा कर उन्हें पारित किया गया. इसके बाद सदन में सदस्यों ने लोक महत्व के विभिन्न मुद्दे विशेष उल्लेख के तहत उठाये और फिर सदन को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया गया.उच्च सदन में प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आसन से जानना चाहा कि सरकार वर्तमान सत्र को क्या आगे बढ़ाने जा रही है?

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, "हमारे पास कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, यह विपक्ष के साथ भी साझा किया गया है. अगले 2–3 हफ्तों में हम एक बहुत महत्वपूर्ण विधेयक लाने वाले हैं. आज सरकार

सदन को स्थगित करने का प्रस्ताव रखेगी और हम जल्द ही फिर मिलेंगे. उद्देश्य सदस्यों को ज्ञात है.सरकार महिलाओं के आरक्षण कानून को लागू करने के लिए और लोकसभा की सीटों को 546 से बढ़ाकर 861 करने के उद्देश्य से जनगणना से संबद्ध परिसीमन को अलग करने के लिए दो विधेयक लाने की खातिर विपक्ष के साथ बातचीत कर रही है.रमेश ने कहा कि सरकार का इरादा सर्वदलीय बैठक बुलाने का है और विपक्ष की मांग है कि यह बैठक 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद बुलाई जाए. उन्होंने आरोप लगाया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं वहां आदर्श आचार संहिता लागू है फिर भी सरकार विधेयक लाने पर जोर दे रही है.उन्होंने कहा, सरकार का एकमात्र उद्देश्य आचार संहिता का उल्लंघन कर इस विधेयक को पारित कराना और चुनावी लाभ हासिल करना है. यह पूरी तरह आपत्तिजनक है और सभी विपक्षी दल चाहते हैं कि सर्वदलीय बैठक 29 अप्रैल के बाद ही बुलाई जाए.इस पर रीजीजू ने कहा कि सरकार देश की महिलाओं के साथ किए गए वादे को पूरा करने के लिए बाध्य है.उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण यह है कि संसद ने देश की महिलाओं के प्रति एक प्रतिबद्धता जताई है, जिसे पूरा करना हमारा कर्तव्य है. इसका किसी विशेष राज्य के चुनाव से कोई संबंध नहीं है. समय–सीमा को देखते हुए हमें इसे आगे बढ़ाना होगा.रीजीजू ने यह भी कहा, इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए.उच्च सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन प्रस्तावित विधेयक महत्वपूर्ण हैं और इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे।

एमपी के भोजशाला मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

● सभी याचिकाओं पर एक साथ ही दलीलें सुनेगा हाईकोर्ट ● एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर आपत्तियां रखेगा मुस्लिम पक्ष

इंदौर/धार (एजेंसी)। धार के भोजशाला विवाद मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच सोमवार दोपहर ढाई बजे से सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट किया है कि पहले याचिकाकर्ताओं के तर्क सुने जाएंगे, फिर आपत्ति लगाने वालों को दलील रखने का अवसर दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुर्शीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी।

संक्षिप्त समाचार

इंडियन करेंसी की 12 साल में अब तक की सबसे लंबी छलांग

● डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए को अचानक लगे पंख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रुपये में हाल में पिछले हफ्ते काफी गिरावट आई थी और यह डॉलर के मुकाबले 95 के पार पहुंच गया था लेकिन आज इसमें काफी तेजी आई। रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 2 प्रतिशत तक मजबूत होकर 92.94 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद इसमें एक दिन में आई सबसे बड़ी तेजी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने

डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की थी। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। मार्च में रुपये में 4 फीसदी गिरावट आई थी जो छह साल में एक महीने में आई सबसे बड़ी गिरावट है। केंद्रीय बैंक ने एक अधिसूचना में कहा कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन–डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी और अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे। इस कारण आज रुपये में तेजी देखने को मिली।

हिमाचल में चिट्टा तस्करों के पंचायत चुनाव लड़ने पर रोक

● प्रधान की जाएगी कुर्सी, सरकार ने कानून बदला

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में चिट्टा तस्करी में शामिल लोग पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। विधानसभा में गुरुवार को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। अब इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलते ही यह प्रावधान प्रभावी हो जाएगा और चिट्टा तस्करी से जुड़े लोग चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह द्वारा बीते बुधवार को इस विधेयक को सदन में पेश किया था। इस संशोधन के तहत पंचायत जनप्रतिनिधियों पर भी

सख्त प्रावधान लागू होंगे। यदि कोई प्रधान, उप प्रधान, वार्ड मेंबर, बीडीसी सदस्य या जिला परिषद सदस्य चुने जाने के बाद चिट्टा तस्करी में संलिप्त पाया जाता है और उस पर आरोप तय हो जाते हैं, तो उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। **ग्राम सभाओं के कोरम में बड़ा बदलाव–** विधेयक में ग्राम सभाओं के कोरम को लेकर भी अहम संशोधन किया गया है। अब तक ग्राम सभा के लिए 25 प्रतिशत परिवारों की उपस्थिति अनिवार्य थी, लेकिन नए प्रावधान के तहत इसे बदल दिया गया है। अब कुल परिवारों की बजाय कुल मतदाताओं में से 10 प्रतिशत की उपस्थिति को कोरम माना जाएगा।

जग्गी हत्याकांड...

अजित जोगी के बेटे अमित जोगी ठहराए गए दोषी करार

● 3 हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडर, हाईकोर्ट ने माना हत्या की राजनीतिक साजिश हुई

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है।

वहीं फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने बिना पूरा सुनवाई का मौका दिए उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया। 4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

100 मी. दौड़ में रेशमा, गौरव ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास पैठाणी का तृतीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह का बृहस्पतिवार को समापन हुआ। शतरंज में आस्था व महावीर और गोला फेंक में कीर्ति व गौतम विजेता रहे। 100 मी. दौड़ के बालिका वर्ग में रेशमा ने पहला, कीर्ति ने दूसरा व अनीता ने तीसरा स्थान पाया। बालक वर्ग में गौरव प्रथम, साहिल द्वितीय व ललित तृतीय रहे। महाविद्यालय परिसर में बृहस्पतिवार को आयोजित खेल प्रतियोगिता की शुरुआत बालिका वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता से हुई। इसमें कीर्ति ने प्रथम, अनीता ने द्वितीय व स्वाति ने तृतीय स्थान पाया। बालक वर्ग में गौतम ने पहला, कृष ने दूसरा, अंकित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शतरंज बालिका वर्ग में आस्था प्रथम, जबकि बालक वर्ग में महावीर ने प्रथम, सूरज द्वितीय व देवेंद्र तृतीय रहे। टेबल टेनिस बालिका वर्ग में पूनम ने पहला, रेशमा ने दूसरा व लेखिका तीसरे स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में आदित्य प्रथम, प्रिंस द्वितीय व कृष तृतीय रहे। कैरम बालिका वर्ग में आस्था प्रथम, अंबिका द्वितीय व पूनम तृतीय रही। प्राचार्य प्रो. डॉ. विजय कुमार अग्रवाल व पीटीए अध्यक्ष अमर सिंह नेगी ने विजेता व उपविजेताओं को पुरस्कार बांटे। इस मौके पर शिक्षाविद डॉ. दिनेश रावत, डॉ. कल्पना रावत, डॉ. खिलाप सिंह, डॉ. आलोक कंडारी संचालन डॉ. प्रकाश फोंदणी ने किया।

भनेरपाणी में हाईवे सुधारीकरण कार्य से लग रहा जाम

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर इन दिनों जगह–जगह सुधारीकरण कार्य चल रहे हैं। मगर भनेरपाणी में चट्टानी भाग पर हाईवे चौड़ीकरण कार्य के कारण बार–बार जाम लग रहा है। ऐसे में हाईवे पर एक से डेढ़ घंटे तक सवारियों को वाहनों में बैठकर ही हाईवे खुलने का इंतजार करना पड़ रहा है। भनेरपाणी में चट्टानी भाग पर पिछले दो साल से बरसात में भूस्खलन शुरू हो जाता है जिसका इन दिनों ट्रीटमेंट किया जा रहा है। यहां जेसीबी से हाईवे से पत्थरों को हटाया जा रहा है।वहीं एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि चारधाम यात्रा से पूर्व हाईवे को दुरुस्त किया जाना है। इस कारण वाहनों का जाम लग रहा है। कुछ दिन बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी।

संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की

रुद्रप्रयाग। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह 5 बजे से 9 बजे तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। सभी कोतवाली क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की गई। पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर बैरियर लगाकर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट, सीटबेल्ट और दस्तावेजों की कमी वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए गए। वहीं बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों और मजदूरों के सत्यापन की कार्रवाई भी की गई। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि यह अभियान असामाजिक तत्वों पर नजर रखने और आम लोगों की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है।

वन्यजीव के हमले से बुजुर्ग की मौत, परिजनों को 2.5 लाख की राहत

अल्मोड़ा। जनपद के मोहान रेंज अंतर्गत तड़म ग्राम सभा में बीती 31 मार्च को वन्यजीव के हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना में खीम सिंह (60 वर्ष) की जान चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार खीम सिंह दोपहर के समय जंगल में घास लेने गए थे, तभी वन्यजीव ने उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।

वन विभाग ने प्रभावित परिवार को तत्काल राहत के रूप में 2.5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। विभाग के अनुसार परिजनों को अन्य संभावित सहायता भी दी जा रही है।

प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : धामी

चारधाम यात्रा को और सशक्त बनाने पर दिया जा रहा है ध्यान

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को रामनगर के छोई स्थित श्री हनुमान धाम में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि यहां उपस्थित प्रत्येक श्रद्धालु पर बजरंगबली की विशेष कृपा है, क्योंकि उनकी इच्छा के बिना कोई भी उनके दरबार तक नहीं पहुंच सकता।

मुख्यमंत्री ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ है। वहीं काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण से श्रद्धालुओं को अभूतपूर्व सुविधाएं प्राप्त हुई हैं। साथ ही केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम में भी व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे उत्तराखंड की पहचान और अधिक सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और यहां की आस्था एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से राज्य में सख्त कानून लागू किए जा रहे हैं तथा धार्मिक सौहार्द बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन चुका है, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई है, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों केदारखंड और मानसखंड सहित अन्य स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत संरचना विकास के कार्य लगातार जारी हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य में हर वर्ष श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी कुंभ केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था का विषय है, वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी गई हैं। प्रदेश में शीतकालीन यात्रा भी निरंतर संचालित हो रही है और चारधाम के कपाट खुलने तक जारी रहेगी। अब तक लगभग एक लाख साठ हजार श्रद्धालु शीतकालीन यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन कर चुके हैं। आगामी चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं की भी व्यापक तैयारियां आरम्भ की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतकाल में भी बड़ी संख्या में पर्यटक एवं श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंच रहे हैं, जो राज्य में धार्मिक पर्यटन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। सरकार का लक्ष्य धार्मिक पर्यटन को और अधिक सशक्त करना है, ताकि उत्तराखंड की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत हो सके।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट, महापौर हल्द्वानी गजराज बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री डॉ. अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्या, शंकर कोरंगा, शांति मेहरा, कुमाऊं आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, श्री हनुमान धाम ट्रस्ट के आचार्य विजय एवं ट्रस्ट प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री से लगाई डॉक्टरों की तैनाती की गुहार

नई टिहरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थत्यूड़ का उच्चीकरण करने, डॉक्टरों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर स्थानीय लोगों का शिष्टमंडल स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल से मिला।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को अस्पताल की समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समस्या समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थत्यूड़ में डॉक्टरों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष अधिकांश पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं। अल्ट्रासाउंड की सुविधा न होने से गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए मसूरी या देहरादून जाना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के अध्यक्ष खेमराज भट्ट, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील थपलियाल, अमन भट्ट, रोहित चमोली शामिल रहे हैं।

राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित हुई उत्तराखंड पुलिस

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड पुलिस को "राष्ट्रपति पुलिस कलर" से अलंकृत किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे राज्य के इतिहास का "स्वर्णिम और गौरवपूर्ण अध्याय" बताया है। सीएम कहा कि उत्तराखंड के लिए यह क्षण केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि गौरव, परंपरा और अदम्य सेवा भावना का जीवंत प्रमाण बनकर सामने आया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भेंट कर पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने यह जानकारी दी मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान उत्तराखंड पुलिस को देश के उन चुनिंदा पुलिस बलों की श्रेणी में स्थापित करता है, जिन्हें उनकी विशिष्ट और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह सर्वोच्च राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक सहित सभी अधिकारियों और जवानों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन ने उत्तराखंड पुलिस को इस उच्च सम्मान तक पहुँचाया है। यह उपलब्धि न केवल पुलिस बल की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है, बल्कि पूरे उत्तराखंड को राष्ट्रीय स्तर पर नई उंचाइयों तक ले जाने का कार्य करती है।

ग्राम प्रधान और वन दरोगा समेत तीन लोगों पर भालू ने किया हमला, घायल

नई टिहरी)। टिहरी में थौलधार ब्लॉक के सुल्याधार के नीचे थापली तोक में भालू की गतिविधियों को देखने के लिए गए ग्राम प्रधान और वन दरोगा समेत तीन लोगों पर भालू ने हमला कर घायल कर दिया।

घायलों को ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, युद्धवीर सिंह रावत, वन दरोगा अजयपाल पंवार और विनोद सिंह रावत आदि ग्रामीण जंगल गए थे। इस दौरान वहां पहले से मौजूद भालू ने उन पर हमला कर दिया। तीनों व्यक्ति काफी देर तक भालू से लड़ते रहे और अंत में उसे दूर भगाने में कामयाब हुए, लेकिन इस दौरान तीनों घायल भी हो गए। भालू ने उनके शरीर पर अपने नाखूनों से जख्म बना दिए।

उसके बाद अन्य ग्रामीण भी वहां पहुंचे और कण्डी व कंधों के सहारे उन्हें सड़क तक लाए। कुछ दिनों पूर्व इसी जगह पर सुल्याधार निवासी एक महिला को भालू ने गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसका ऋषिकेश के एम्स अस्पताल में उपचार चल रहा है।

खुरपका–मुंहपका टीकाकरण अभियान के तहत 45 दिन में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

अल्मोड़ा। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जनपद में खुरपका–मुंहपका टीकाकरण अभियान का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। जिलाधिकारी अंशुल सिंह और मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपद के सभी पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं के टीकाकरण के लिए विभागीय टीमों का सहयोग करें, ताकि इस संक्रमक रोग से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों को 45 दिन की अवधि में हर हाल में पूरा किया जाए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश अग्रवाल ने बताया कि यह अभियान 2 अप्रैल से 16 मई तक संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत 88 टीकाकरण दलों के माध्यम से जनपद के सभी गांवों और वार्डों में बड़े पशुओं (गौवंश और भैंस) के आठवें चरण तथा छोटे पशुओं (भेड़–बकरी) के चौथे चरण में टीकाकरण किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. आर्या, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. पैनी आर्या, डॉ. कमल दुर्गापाल और महेश चन्द्र तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बद्रीनाथ एनएच के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकरण कार्यों में हो रही देरी पर डीएम नाराज

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को चारधाम यात्रा मार्ग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान यात्रा मार्गों की विस्तृत समीक्षा कर कार्यदायी संस्थाओं को यात्रा से पूर्व सड़क ट्रीटमेंट कार्य, सड़क में ब्लैकटाप के कार्य, प्रोटेक्शन वर्क और स्लोप स्टेब्लाइजेशन के कार्यों को हर हाल में दुरस्त कर लेने के कड़े निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने से पूर्व सभी सड़कों के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकारण का कार्य दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा मार्ग से सम्बंधित उपजिलाधिकारियों से यात्रा मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकरण के कार्यों की वास्तविक प्रगति रिपोर्ट न भेजनें पर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने एनएचआईडीसीएल के ईई को कामेडा से हेलंग तक बीआरओ के ईई को हेलंग से श्री बद्रीनाथ धाम तक और ईई एनएच रुद्रप्रयाग को चोपता मण्डल मोटर मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकरण कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिक मैनपावर और मशीनरी लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश को चारधाम यात्रा मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकरण के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देने और वहां पर कितने मैनपावर और मशीनों को लगाकर कार्य किया जा रहा हैं उसकी वास्तविक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हुए सड़कों की खराब स्थिति के कारण लगने वाले जाम और उससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यात्रा से पूर्व सड़क कार्यों का पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि सड़क जाम जैसी स्थिति से यात्रियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, पीडब्लूडी के ईई नवीन ध्यानी, बीआरओ से ईई केटी राव, ईई एनएच रुद्रप्रयाग ओमकार पाण्डेय एनएचआईडीसीएल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

यमुना घाटी में सेब उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

उत्तरकाशी। सेब उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्यान विभाग ने यमुना घाटी में 10 उद्यान सचल दल केंद्रों में करीब 1600 मधुमक्खी बॉक्स उपलब्ध कराए गए हैं जिन्हें सेब के बगीचों के समीप सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। खास बात यह है कि इन बॉक्सों के उपयोग के लिए काश्तकारों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। स्योरी फल पट्टी के दोसाड़ा, पुरानी मटियाली और रस्टाड़ी क्षेत्रों में लगभग 500 मधुमक्खी बॉक्स स्थापित किए गए हैं। मधुमक्खियां चिह्नित स्थानों से दो से तीन किमी के दायरे में स्थित सेब बगीचों में परागण का कार्य करेगी। इसके अलावा भाटिया, धारी कफनौल और डामटा क्षेत्रों में भी मधुमक्खी बॉक्स तैनात किए गए हैं। स्थानीय बागवानों का कहना है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अप्रैल से मध्य मई तक सेब के पेड़ों में फूल खिलते हैं। इस दौरान मधुमक्खियां एक पौधे के नर फूल से पराग एकत्र कर दूसरे पौधे के मादा फूल तक पहुंचाती है जिससे क्रॉस परागण होता है और बेहतर गुणवत्ता के फल प्राप्त होते हैं। समय पर परागण न होने की स्थिति में फल का आकार प्रभावित होता है जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उद्यान सचल दल केंद्र नौगांव के प्रभारी हरपाल सिंह राणा ने बताया कि सेब के बगीचों के पास मधुमक्खी बॉक्स सुरक्षित रूप से पहुंचा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्योरी फल पट्टी के प्रमुख क्षेत्रों में बॉक्स स्थापित कर परागण प्रक्रिया को सुदृढ़ किया गया है।

अल्पसंख्यकों के कल्याण को लेकर सरकार प्रतिबद्ध: खजान दास

देहरादून। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री खजान दास ने आज विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आज हमने बैठक में शामिल सभी सदस्यों से सुझाव हासिल किये हैं तथा विभाग के अंतर्गत और कितने जनकल्याणकारी कार्य किये जा सकते हैं इस बारे में चर्चा की है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के प्रति जनमानस को जागरूक किया जाए तथा होर्डिंग तथा अन्य प्रचार–प्रसार माध्यमों से जनकल्याणकारी योजनाओं को साझा किया जाए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समय–समय पर देखरेख की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य करने की नियत हो तो सारे कार्य अच्छे ढंग से पूर्ण किये जा सकते हैं।

मूल्यांकन को आ रहे सरकारी शिक्षकों को ई–रिक्शा ने रौंदा

हल्द्वानी। बोर्ड परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन को एमबी इंटर स्कूल की ओर आ रहे स्कूटी सवार दो शिक्षकों को ई–रिक्शा ने टक्कर मार दी। इतना ही नहीं करीब दस मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इस घटना में दोनों शिक्षक घायल हो गए। उनका बेस अस्पताल में उपचार कराया गया। शिक्षकों ने ई–रिक्शा चालक पर कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी है। देवलचौड़ निवासी सरकारी शिक्षक गिरीश चंद्र आर्या और डहरिया निवासी खीमानंद तिवारी ने हल्द्वानी कोतवाली पुलिस को संयुक्त तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह करीब सवा 9 बजे दोनों शिक्षक स्कूटी से बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन की ड्यूटी के लिए एमबी इंटर कॉलेज की ओर आ रहे थे। नवाबी रोड की ओर आते समय दोनों ईएसआर पेट्रोल पंप के पास ही पहुंचे थे कि तभी ई–रिक्शे ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

नशा विरोधी अभियान में दो तस्कर गिरफ्तार, 3.43 लाख की स्मैक बरामद

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर जिले में चल रहे नशा विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोतवाली अल्मोड़ा और एसओजी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11.46 ग्राम अवैध स्मैक (हेरोइन) बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 3.43 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार लोधिया बैरियर के पास चेकिंग के दौरान सज्जन बिष्ट (23) निवासी दुगालखोला, अल्मोड़ा के कब्जे से 5.30 ग्राम और प्रभांशु उर्फ कन्नू कपिल (28) निवासी ग्राम दियारी, कोतवाली भवाली, जिला नैनीताल के कब्जे से 6.16 ग्राम स्मैक बरामद की गई। दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर कोतवाली अल्मोड़ा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि प्रभांशु उर्फ कन्नू कपिल के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह के अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एनडीएमए और यूएसडीएमए ने चारधाम यात्रा के लिए कसी कमर

देहरादून। गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चारधाम यात्रा के दौरान किसी भी आपदा की स्थिति तथा आकस्मिकता के निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में 10 अप्रैल को चारधाम यात्रा को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को यूएसडीएमए में आयोजित ओरियंटेशन तथा कोऑर्डिनेशन कॉन्फ्रेंस में चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जनपदों के अधिकारी तथा विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारी शामिल हुए। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन तथा एनडीएमए के सीनियर कंसलटेंट मेजर जनरल सुधीर बहल (अप्रा) ने मॉक ड्रिल के आयोजन तथा संचालन को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस मॉक ड्रिल का संचालन यूएसडीएमए स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से किया जाएगा। सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि चारधाम यात्रा हमारे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है। माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन और दिशा–निर्देशन पर सभी विभागों ने अच्छी तैयारियां की हैं। आपदा प्रबंधन विभाग भी पूरी तरह से एलर्ट मोड पर है। उन्होंने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य सभी हितधारकों को एक मंच पर लाकर चारधाम यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए उनकी क्षमताओं और तैयारी को परखना तथा उनमें वृद्धि करना है। इस दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि संसाधनों को कुशल उपयोग व प्रबंधन हो। उन्होंने बताया कि यह मॉक ड्रिल चारधाम यात्रा से जुड़े सात जिलों में होगी, जिनमें उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी तथा देहरादून शामिल हैं। मेजर जनरल सुधीर बहल ने बताया कि यह मॉक ड्रिल आईआरएस यानी घटना प्रतिक्रिया प्रणाली के तहत संचालित की जाएगी। उन्होंने आईआरएस के तहत किस विभाग की तथा किस अधिकारी की क्या भूमिका है, इसे लेकर विस्तार से बताया। उन्होंने इंसीडेंस रिस्पांस टीम, क्रियान्वयन शाखा, नियोजन शाखा तथा संसाधन शाखा के दायित्वों एवं कर्तव्यों के साथ ही उत्तरदायी अधिकारी, इंसीडेंट कमाण्डर, शाखा प्रमुख, आब्जर्वर तथा नोडल अधिकारियों के उत्तरदायित्वों की जानकारी दी। रिसोर्स और रिस्क मैपिंग आवश्यक–बहल : मेजर जनरल सुधीर बहल ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान संभावित आपदाओं का प्रभावी तरीके से सामना किया जा सके तथा तैयारियां पुख्ता हों, इसके लिए रिसोर्स और रिस्क मैपिंग आवश्यक है।

निगम की बोर्ड बैठक में पार्षदों ने गिनवाई समस्याएं, निराकरण का मिला आश्वासन

गुरुवार को नगर निगम में आयोजित की गई बोर्ड बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गुरुवार को नगर निगम सभागार में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पार्षदों ने विभागीय अधिकारियों को जन समस्याओं से अवगत करवाया। इस दौरान जल्द समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया।

कोटद्वार नगर निगम की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को लेकर चर्चा करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

महापौर शैलेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्षदों ने सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग उठाई। कहा कि शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। नगर निगम के हर वार्ड से समय पर कूड़ा उठाया जाएं। पार्षदों ने सड़क किनारे जर्जर हाल में खड़े विद्युत पोल की शिकायत रखी। कहा कि इन विद्युत पोलों से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बैठक में पार्षदों ने शहर में लगातार बढ़ रही आवारा गोवंश की समस्या भी रखी। कहा कि गोवंश संरक्षण के लिए गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। कुछ माह पूर्व घर-घर 24 घंटे जल उपलब्ध करवाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं होने पर भी पार्षदों ने रोष जताया। कहा कि इससे दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। बोर्ड बैठक में स्टेशन रोड का नाम महाराजा अग्रसेन मार्ग रखने, वार्ड संख्या 29 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. गोपाल नारायण गौड़ के नाम पर स्मृति द्वार बोर्ड बनाने, वर्षाकाल में जल भराव से बचाने के लिए नाला गैंग रखने संबंधित प्रस्ताव भी पारित हुए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1.37 अरब का बजट किया प्रस्तुत किया गया। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को बोर्ड बैठक में उठाई गई समस्याओं के निराकरण के सख्त निर्देश दिए। कहा कि एक समय अवधि पर सभी समस्याओं का निराकरण किया जाए।

महिलाओं ने सीखें लीसा विदोहन के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला में महिलाओं को लीसा विदोहन से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारियां दी गईं। वन पंचायत कंडोलिया में हुई कार्यशाला में प्रभागीय वनाधिकारी महातिम यादव ने महिलाओं को बोर होल विधि के वैज्ञानिक और सुरक्षित पहलुओं से अवगत कराया। कहा कि यह पारंपरिक विधियों की तुलना में यह अधिक सुरक्षित और प्रभावी है। इससे पेड़ों को भी नुकसान नहीं पहुंचता और लीसा अधिक मात्रा में प्राप्त होता है। जिपं सदस्य अनुज कुमार ने विभागीय नवाचार को सराहनीय बताया। कार्यशाला में पौड़ी, खिर्सू और कोट ब्लॉक के विभिन्न महिला समूहों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उप प्रभागीय वनाधिकारी आइशा बिष्ट, वन क्षेत्राधिकारी नक्षत्र शाह, बीडीओ दृष्टि आनंद, क्षेपं सदस्य यशोदा नेगी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य खाई में गिरी कार, व्यक्ति घायल

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार खाई में गिर गई। दुर्घटना में कार चला रहा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को पुलिस ने उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया।

बुधवार रात कार दुगड्डा से कोटद्वार की ओर आ रही थी। इसी दौरान हल्द्वानी स्रोत पुलिया के समीप एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाया और घायल को 108 की मदद से राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया।

पुलिस ने बताया कि घायल की पहचान कोटद्वार शिब्बूनगर निवासी पंकज रावत के रूप में हुई है। पंकज पंचायत मंत्री के पद पर तैनात है। वह यमकेश्वर से कोटद्वार की ओर आ रहे थे। पंकज के सिर पर गंभीर चोट आई हुई है।

बेस अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

कोटद्वार बेस अस्पताल में शासन-प्रशासन के खिलाफ धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्वास्थ्य सुविधाओं से जूझ रहे राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार की अव्यवस्थाओं पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए व्यवस्थओं को बेहतर बनाने की मांग उठाई। कहा कि चिकित्सकों की कमी के कारण अस्पताल रेफर सेंटर बन चुका है।

गुरुवार सुबह लोग बेस अस्पताल में पहुंचे। जहां उन्होंने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने कहा कि बेस अस्पताल में पहाड़ के साथ ही मैदान से सैकड़ों लोग उपचार के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। चिकित्सक नहीं होने के कारण अस्पताल केवल रेफर सेंटर बनकर रह गया है। कहा कि पूर्व में आश्वासन के बाद भी आईसीयू की व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया है। राज्य आंदोलनकारी व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रमेश भंडारी ने कहा कि व्यवस्थाओं में सुधार के लिए स्थानीय लोग कई बार शासन-प्रशासन को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, हालात जस के तस बने हुए हैं। इस मौके पर मनमोहन खंतवाल, आशीष बिश्नोई, सौरभ गुसाईं, हिमांशु ध्यानी आदि मौजूद रहे।

केंद्र और राज्य की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

नई टिहरी। भाजपा महिला मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां पर जोर दिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का जन–जन पहुंचाने को कहा गया। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट और अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनीस गौड़ के नई टिहरी पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, महिला मोर्चा की अध्यक्ष इंदू डंगवाल, तौफीक अहमद के साथ कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अनीस गौड़ ने कहा कि कांग्रेस से लेकर अन्य दलों ने अल्पसंख्यक को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया लेकिन भाजपा के सत्ता में आने से सभी वर्गों का विकास और सम्मान हो रहा है। महिला मोर्चा के अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है वह केवल जनता के बीच भ्रम फैलाने के काम में लगी है। उन्होंने सरकार की ओर से महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

भुलाया नहीं जा सकता देश की रक्षा में सैनिकों का योगदान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : 31 मार्च 1991 को गढ़वाल राइफल में भर्ती हुए गौरव सैनिकों ने अपना 35वां मिलन समारोह मनाया। इस दौरान सैनिकों के योगदान को भी याद किया गया। साथ ही युवाओं को सेना में भर्ती होने के लिए भी प्रेरित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते गौरव सैनिक

भाबर स्थित घमंडपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सूबेदार विक्रम सिंह नेगी (सेनि) ने किया। सबसे पहले गौरव सैनिकों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। कहा कि सीमा पर खड़े वीर सैनिकों के कारण ही आज हम देश के भीतर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कहा कि देश की रक्षा में दिए गए वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सैनिकों ने अपने अदम्य साहस व शौर्य के बल पर दुश्मनों को धूल चटाई है। कहा कि हमें समय-समय पर वीर सैनिकों के योगदान को याद करना चाहिए। इससे युवाओं को सेना में भर्ती होने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान सैनिकों ने भारतीय सेना में भर्ती के दौरान बिताए समय को भी याद किया। इस मौके पर प्रेम लाल कंडवाल, धीरेंद्र, जीवन, सुनील आदि मौजूद रहे।

हनुमान जयंती पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में की पूजा–पाठ

नई टिहरी। हनुमान प्रकटोत्सव में श्रद्धालुओं ने रामचरितमानस का पाठ के साथ पूजा–अर्चना की। चंबा के पुरानी टिहरी रोड पर हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड सरकार की मीडिया सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो गोविंद सिंह ने किया। श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो एनके जोशी ने कहा कि हनुमान के पास बल, बुद्धि के साथ कुशल प्रबंधक क्षमता थी। इस मौके पर पूर्व मंत्री लाखीराम जोशी, राजेश्वर पैन्यूली, तिलकराम चमोली, पूर्ण सिंह रावत, इंद्रपाल परमार, विजेंद्र धनोला, रविंद्र कोठारी आदि मौजूद थे। वहीं जाखणीधार ब्लॉक के चाह गडोलिया हनुमान जयंती पर पूर्व मंत्री दिनेश धनाई ने श्रद्धालुओं के साथ भजन, कीर्तन कर हवन में आहुति डाली। उन्होंने कहा कि बजरंगबली हम सबके आराध्य हैं। इधर, नई टिहरी के सनातन शक्तिपीठ दुर्गा में हनुमान जयंती पर रामचरितमानस का पाठ हुआ। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, ब्लॉक प्रमुख जाखणीधार राजेश नौटियाल, चंबा की सुमन सजवाण, रतन सिंह भंडारी, राजेंद्र प्रसाद चमोली मौजूद थे।

बंदरों के उत्पात से कंडीसौड़ के लोग परेशान

नई टिहरी। बाजार में कृष्ण नागराज मंदिर, शिव, शनि और हनुमान मंदिर में बंदरों के उत्पात के कारण ग्रामीण परेशान है। बंदरों ने कई लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है। मंदिर के पुजारी गंगा प्रसाद खंडूड़ी और ग्राम प्रधान सुमन सिंह गुसाईं ने बताया कि मंदिरों में रोज पूजा–अर्चना के लोग आते है। बंदरों के उत्पात के कारण स्थानीय लोग परेशान है।

मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से हाथों से बंदर थैला छिन लेते हैं। वन विभाग की ओर से बंदरों को पकड़ने के लिए पूर्व में पिंजरा भी लगाया लेकिन बंदरों की संख्या में कमी नहीं आ पा रही है। वहीं कंडीसौड़ अस्पताल में कार्यरत फार्मासिस्ट सुरेंद्र सिंह पुरसोड़ा ने बताया कि बंदरों के हमले घायल 24 से अधिक लोगों को वह रैबीज के इंजेक्शन लगा चुके है। ग्राम प्रधान गुसाईं ने वन विभाग से बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है।

जय श्री राम के जयकारों से गूंजा शहर, भजनों ने मोहा श्रोताओं का मन

हनुमान जयंती पर श्री सिद्धबली मंदिर समिति की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

हनुमान जयंती पर कोटद्वार शहर में निकाली गई झांकी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हनुमान जयंती पर कोटद्वार शहर जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। देवी मंदिर से निकाली गई बाइक रैली में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। युवा भजनों की धुन पर नाचते हुए नजर आए। जगह-जगह रैली का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान सिद्धबली मंदिर में भजन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। भजन गायिका मुस्कान चोपड़ा व मोना चोपड़ा की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गुरुवार सुबह देवी मंदिर से भव्य बाइक रैली निकाली गई। भगवे झंडे पकड़े रैली में चल रहे युवा जय श्री राम के जयकारें लगाते रहे। देवी रोड, नजीबाबाद चौराह, झंडाचौक, बदरीनाथ मार्ग से होते हुए श्री सिद्धबली मंदिर परिसर में पहुंची रैली का जगह-जगह लोगों ने स्वागत भी किया। इसके उपरांत मंदिर परिसर में भजन कार्यक्रम हुआ। जिसका शुभारंभ महंत दिलीप रावत व मंदिर समिति के अध्यक्ष डा. जेपी ध्यानी ने किया। इसके उपरांत भजन गायिका मुस्कान चोपड़ा व मोना चोपड़ा ने भगवान राम, माता सीता व बजरंग बली हनुमान का गुणगान करते हुए शानदार भजनों की प्रस्तुति दी। बैंड पर हनुमान जंयती पर शानदार भजनों की प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बना दिया। परिसर में भक्त जन भजनों की धुन पर नाचते हुए भी नजर आए। वहीं, हनुमान जयंती पर सुबह से ही मंदिर परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। लोगों ने बाबा से अपने परिवार व समाज के लिए सुख शांति की कामना की।

श्री सिद्धबली मंदिर में भजनों की प्रस्तुति देती भजन गायिका

समस्याओं को लेकर नागरिक मंच ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में व्याप्त समस्याओं का निराकरण नहीं होने से आक्रोशित नागरिक मंच ने प्रशासन व नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्याओं को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

गुरुवार को नागरिक मंच के साथ ही अन्य संगठनों के सदस्य गोखले मार्ग पर एकत्रित हुए। वक्ताओं ने कहा कि कोटद्वार गढ़वाल का द्वार है। ऐसे में यहां की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन, सरकारी सिस्टम सुविधाओं को लेकर लापरवाह बना हुआ है। लगातार शिकायत के बाद भी नगर निगम व स्थानीय प्रशासन अतिक्रमण को लेकर लापरवाह बना हुआ है। सड़कों पर अतिक्रमण के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे बुरी स्थिति गोखले मार्ग, स्टेशन रोड, नजीबाबाद रोड, देवी रोड, मानपुर रोड, झंडाचौक व बदरीनाथ मार्ग पर बनी हुई है। रेहड़ी-ठेली के साथ ही सड़क पर रखा दुकानों का सामान व्यवस्था में बाधा बन रहा है। मंच ने सड़क पर घूम रहे गोवंशों के संरक्षण पर भी लापरवाही का आरोप लगाया। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी नगर निगम गोवंश संरक्षण को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। नतीजा, गोवंश राहगीरों पर हमला कर रहे हैं। कुछ दिन पूर्व देवी रोड पर भी गोवंश ने एक राहगीर पर हमला कर दिया था। मंच ने मोटर नगर में आधुनिक बस अड्डे का निर्माण नहीं होने पर भी रोष व्यक्त किया है। कहा कि आधुनिक बस अड्डे के नाम पर दशकों से केवल एक गड्ढा ही नजर आ रहा है। इससे पता चलता है कि जनप्रतिनिधि क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर नहीं है। इस मौके पर मंच के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी, महासचिव अतुल भट्ट, गोपाल कृष्ण, दिनेश जुयाल, मुजीब नैथानी, विजय माहेश्वरी, राकेश लखेड़ा, विपुल उनियाल, राकेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बीआरओ की लचर कार्यप्रणाली पर नाराज हुए एसडीएम

चमोली। उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ट ने ज्योतिर्मठ से बदरीनाथ धाम तक हाईवे का निरीक्षण किया। ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी तक कई जगह हाईवे की स्थिति ठीक नहीं मिली। यहां हाईवे के संरक्षण का जिम्मा बीआरओ के पास है। एसडीएम ने बीआरओ की लचर कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई और चारधाम यात्रा से पूर्व हाईवे को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के कार्यों से जो अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं उन्हें भी यात्रा से पहले दुरुस्त करें। ज्योतिर्मठ के जीरो बैंड के पास हाईवे की स्थिति पिछले एक साल से सुधारी नहीं गई है। विगत वर्ष यहां तीर्थयात्रियों के वाहन पत्थरों में फंसते रहे। अभी तक भी यहां हाईवे का सुधारीकरण कार्य नहीं किया गया है।

परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी पर भड़के छात्रों का प्रदर्शन

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विवि के अधिकांश परीक्षा परिणामों में विवि स्तर से त्रुटि होने पर छात्र–छात्राओं ने कड़ा आक्रोश जताते हुए विवि मुख्यालय बादशाहीथौल में प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्रों ने विवि प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में परीक्षा नियंत्रक डॉ. स्वाति नेगी ने बीएससी प्रथम और बीए तृतीय सेमेस्टर के एक–एक प्रश्नपत्रों के पुनर्मूल्यांकन का लिखित आश्वासन दिया। तब जाकर छात्रों का गुस्सा शांत हुआ। बृहस्पतिवार को छात्रों ने श्रीदेव सुमन विवि पहुंचकर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि विवि ने स्नातक प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम जारी किए हैं जिनमें काफी त्रुटियां है। अधिकांश छात्रों को 1–1 अंक दिए हैं। वहीं तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं।

राजधानी गैरसैंण जनजागृति यात्रा को मिला समर्थन

कर्णप्रयाग। यूकेडी की ओर से राजधानी गैरसैंण जनजागृति यात्रा का द्वितीय चरण संपन्न हो गया। कोठा एवं अन्द्रपा वार्ड के लगभग 40 गांवों में व्यापक जनसंपर्क कर लोगों को जागरूक किया गया। यूकेडी के युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी ने बताया कि यात्रा को ग्रामीणों का समर्थन मिला है। साथ ही लोग यूकेडी पर अपना भरोसा जता रहे हैं। निश्चित ही आगामी 2027 के चुनावों में जनता भाजपा और कांग्रेस को दरकिनार करते हुए यूकेडी पर अपना भरोसा जताएगी। उन्होंने बताया कि जनता गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने को लेकर एकजुट हो चुकी है।

सेवानिवृत्त पर शिक्षक सतीश कुमार को दी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के रापूमावि तूणीखाल में कार्यरत शिक्षक सतीश कुमार के सेवानिवृत्त होने पर एक सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर उन्हें अंग वस्त्र सहित कई प्रकार के उपहार एवं श्रीमद् भागवत गीता देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षक सतीश कुमार एक कर्मठ मृदुभाषी वह शिक्षा प्रेमी शिक्षक है। कहा कि छात्र-छात्रों को शैक्षणिक विकास एवं संस्कृति तथा अनुशासन प्रदान करने में सदैव तत्पर है। उन्होंने अपने इस 31 वर्ष के कार्यकाल के दौरान निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवा दी। उन्होंने न्याणगढ थलीसैण, जौरासी दुगड्डा, पैनलगांव जयहरीखाल स्कूल में सेवा दी। इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक सतीश कुमार ने उपस्थित शिक्षकों, ग्रामीण, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों का आभार प्रकट किया। कहा कि वह पूर्व में जिला संयुक्त मंत्री के पद पर होने के साथ-साथ शिक्षकों की समस्याएं सरकार के समक्ष रखी। कार्यक्रम का संचालन दीवान रावत ने किया। इस अवसर पर जन शक्ति विकास समिति के उम्मेद सिंह नेगी, शोभन सिंह, विपुल भंडारी, मदन नेगी, सुमन जदली व उनके पुत्र आशीष कुमार, नितीश कुमार, मनीष कुमार, रजनीश कुमार, ग्राम प्रधान डाबरी विजय नेगी, सोम प्रकाश गौड़, सुधीर बिष्ट, आशीष मधवाल, श्वेता जुयाल, सीमा थपलियाल, आदि थे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के देहरादून स्टेशन पर पार्किंग के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 23.04.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

1118/2026 कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/C/मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा (गढ़वाल)
E-Mail ID-eepwddugadda@rediffmail.com, eepwd-cddugadda@gmail.com

पत्रांकः- 940/ 18ए0सी0 दिनांकः- 02/04/2026

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्र सं0 874/18 ए0सी0 दिनांक 31/03/2026 द्वारा आमंत्रित निविदाएं जो दिनांक 07.04.2026 को डाली जानी हैं तथा दिनांक 08.04.2026 को खोली जानी हैं, अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाएं निरस्त की जाती है।

(निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 दुगड्डा (गढ़वाल)

संपादकीय

नेताओं का पलटमार अंदाज

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सरगर्मियां अब नजर आने लगी हैं। खास तौर से कांग्रेस एवं भारतीय जनता पार्टी में चुनाव जीतने की रणनीति को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो गया है, तो वही नेताओं के एक दल में टिके रहने की संभावनाओं को भी पर लगने लगे हैं। हाल ही में भाजपा के खेमे से पांच पूर्व विधायकों ने कांग्रेस का दामन संभाला है हालांकि इसे लेकर भाजपा ने रोचक टिप्पणियां भी की है लेकिन कहीं ना कहीं अब यह संकेत मिलने लगे हैं कि चुनावों से पहले अभी भाजपा और कांग्रेस में पलटी मार का क्रम और अधिक बड़ी संख्या में देखने को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इस बार के चुनाव में उत्तराखंड क्रांति दल भी एक नई तैयारी और रणनीति के तहत मैदान में उतरने को तैयार है जिसके लिए उसने उत्तराखंड के मूलभूत मुद्दों को जनता में सामने रखने की तैयारी की है। हालांकि इस बात की संभावनाएं कम है कि भाजपा एवं कांग्रेस से उत्तराखंड क्रांति दल का दामन थामने के लिए नेता आगे आएंगे लेकिन यूकेडी इस बार अपने ही पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के दम पर चुनाव लड़ने का मन बनाया है। भाजपा के लिए चुनाव से पहले इसे एक झटका कह सकते हैं भले ही भाजपा इन नेताओं को "बेकार माल" बता कर टिप्पणी कर रही हो लेकिन कहीं ना कहीं इसका असर संगठन के संतुलन एवं जनता की सोच पर भी देखने को मिलेगा। इधर कांग्रेस फिलहाल अपनी संगठन की लड़ाई में ही उलझी हुई है जिसमें गुटबाजी साफ नजर आ रही है। इन परिस्थितियों में भले ही कांग्रेस कुछ नेताओं के भाजपा से अपने दल पर शामिल होने को लेकर इस परिवर्तन बता रही हो लेकिन चुनाव मैदान में भाजपा के आगे टिकने के लिए उसे पहले अपने संगठन की अंतरकलह एवं आपसी विवाद को पूरी तरह से समाप्त करना होगा। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ वयोवृद्ध नेता हरीश रावत की भूमिका को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है तो वहीं भाजपा कांग्रेस की इस स्थिति को खूब चटकारे लेकर देख रही है। हालांकि भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज उसकी कैबिनेट में कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं की एक बड़ी संख्या है। लिहाजा नेताओं के कांग्रेस में जाने की प्रक्रिया को हल्के में नहीं लेना चाहिए। आने वाले दिनों में अभी और उठा पटक देखने को मिलेगी जिसमें दल बदलने की स्थिति में कांग्रेस को ही अधिक नुकसान उठाना पड़ेगा जबकि भाजपा का कुनबा पहले से ही लबालब भरा हुआ है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

बलिदान से जन्मी रोशनी: गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

सूली से उठती शांति की पुकार...

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में ह्यगुड फ्राइडेह्व मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को ह्यराख का बुधवारह्व कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 'तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026' एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज 'नया भारत' और 'विकसित भारत' की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें- पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

कांतिलाल मांडोत

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौ[...] प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव [...] सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य [...] पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठ[...] पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिला[...] व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना [...] रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के रि[...] और कठोर नीति का अभाव था। कई बार [...] इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी [...]

प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है।

जयन्त

संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

बातचीत में सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

आरती छाबड़िया ने बॉलीवुड की राजनीति पर किए खुलासे

अभिनेत्री आरती छाबड़िया काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उनकी आखिरी प्रमुख भूमिका 2010 में आई फिल्म 'मिलेंगे मिलेंगे' में थी। अब वह बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आरती का ऐसा कहना है कि वो अपने करियर में कई बार बॉलीवुड में होने वाली राजनीति का शिकार हुई हैं। जिसके चलते कभी उनका रोल कट गया, तो कभी उनका पूरा गाना ही फिल्म से हटा दिया गया।

इंडस्ट्री में होती है काफी पॉलिटिक्स

अल्फाटॉक के साथ एक हालिया पॉडकास्ट में आरती छाबड़िया ने इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स के कारण अपने पेशेवर जीवन में आई बाधाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'पार्टनर', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'मिलेंगे मिलेंगे' और अन्य फिल्मों में उनके कई सीन काट दिए गए थे। इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार मेरे रोल काट दिए गए या कम कर दिए गए। टाइटल रोल निभाने के बावजूद, ऐसा लगता था जैसे मैं फिल्म में दिख ही नहीं रही। कई फिल्में ऐसी थीं, जिनमें मेरे सीन काट दिए गए और गाने शूट होने के बाद हटा दिए गए।

'मिलेंगे मिलेंगे' में शाहिद कपूर के साथ मेरा पूरा गाना था, लेकिन उसे काट दिया गया। बोनी उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे और सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था। आपको पता नहीं होता कि ये फैसले क्यों लिए जाते हैं। हम कलाकार हमेशा प्रोड्यूसर के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें कोई पछतावा नहीं है।

कई फिल्मों में काटे गए मेरे रोल्स

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सिर्फ एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। ऐसी कई फिल्में थीं, जिनमें अलग-अलग कारणों से मेरे रोल काट दिए गए थे। जैसे कि सलमान खान और गोविंदा की 'पार्टनर' में मेरी भूमिका वैसी नहीं थी जैसी तय की गई थी। यह एक कैमियो रोल था, लेकिन फाइनल कट में शामिल किए गए रोल से बड़ा था। अच्छी बात यह है कि फिल्म हिट रही। मुझे कोई अफसोस नहीं है। 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'आवारा पागल दीवाना' में भी ऐसा ही हुआ। मायने सिर्फ इतना रखता है कि फिल्म ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।

'धुरंधर' और 'रामायण' के बाद क्या एसएस राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में होगी रिलीज?

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

क्या दो भागों में रिलीज होगी 'वाराणसी'?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी।

'धुरंधर'-'रामायण' और अब 'वाराणसी'

'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

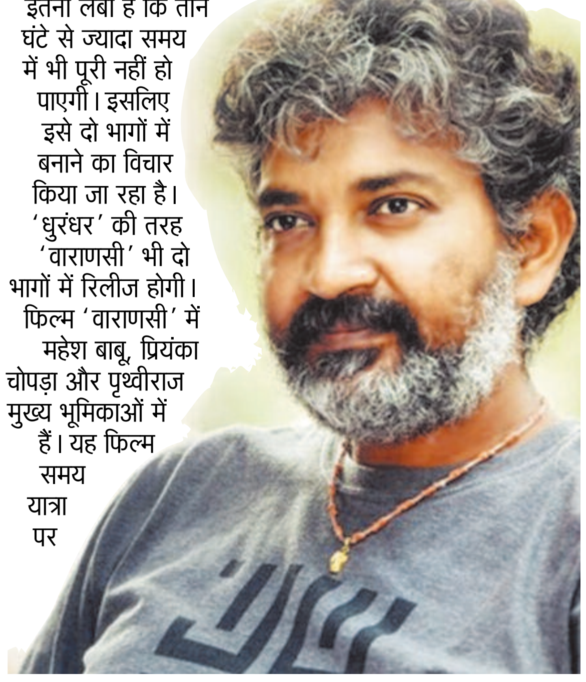

मनोज बाजपेयी ने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

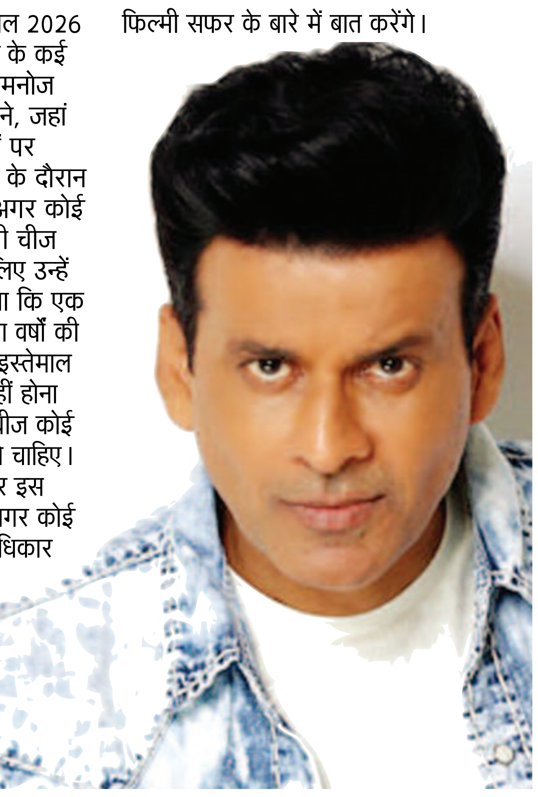

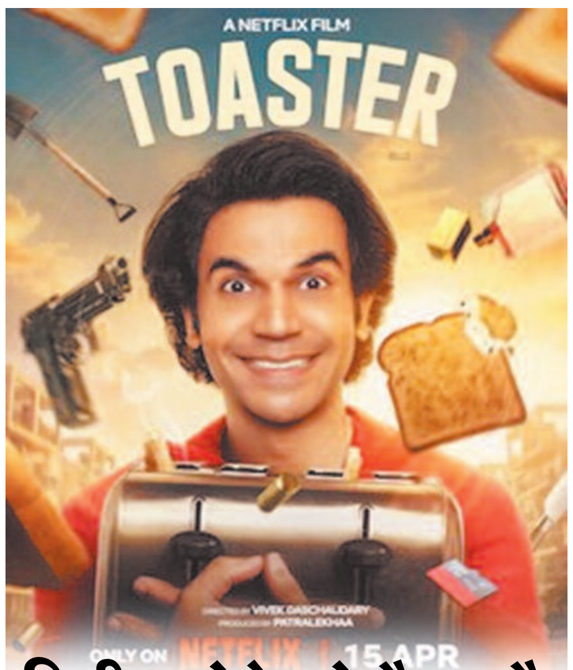

रिलीज होने को तैयार है राजकुमार राव-सान्या की फिल्म 'टोस्टर'

अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले राजकुमार राव अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'टोस्टर' और इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। राजकुमार राव की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी और इसके अनाउंसमेंट के लिए राजकुमार राव ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया। मालूम हो कि 'टोस्टर' को राजकुमार की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। 'टोस्टर' का ऐलान साल 2025 में किया गया था, और अब यह फाइनली रिलीज होने को तैयार है। 'टोस्टर' 15 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी और सीमा पहवा जैसे एक्टर्स हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसे विवेक दास चौधरी ने डायरेक्ट किया है।

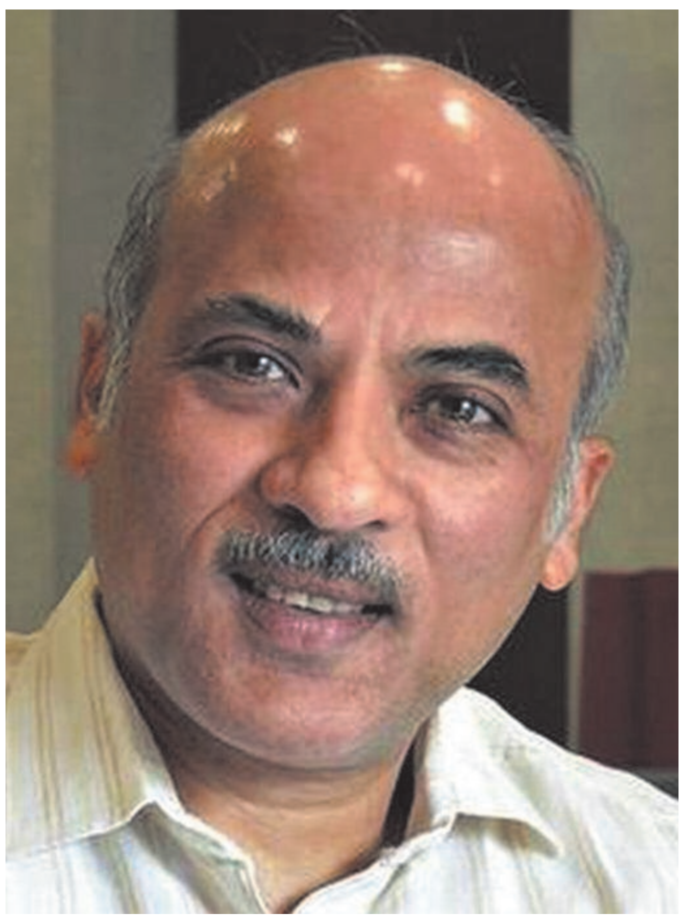

एक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखना चुनौती है

अपने सिनेमा के जरिए संस्कार और परिवार का महत्व बताने वाले फिल्मकार सूरज बड़जात्या हाल ही में अपने नए शो संगमरमर के सिलसिले में हमसे रूबरू हुए। यहां उन्होंने पारिवारिक कहानियां बनाने की अपनी लिगेसी, पुष्पा-धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखने की चुनौती और अपने चहेते दोस्त सलमान खान को लेकर भी बात की।

आप आज भी परिवार और संस्कार की बातें करने वाले शोज/फिल्में बना रहे हैं। मगर आपको ये भी कहा जाता होगा कि अब तो पुष्पा और धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों का दौर है, इन कहानियों से लोग कैसे रिलेट करेंगे?

मैं इस बात को सच नहीं मानता क्योंकि एक पुष्पा चल गई पर पुष्पा जैसी कई ऐक्शन फिल्में नहीं भी चली हैं। वो किसी को याद नहीं रहता। मेरा मानना है कि अगर अच्छी चीज को अच्छी तरह से पेश किया जाए तो हर जॉनर चलेगा। आज जो फायर स्टिक है, वो हर किसी के पास है। बेटे के पास भी है, मां के पास भी है, दादी के पास भी है। वो कहां देखेंगी अपनी पसंद की चीजें तो हर चीज के लिए ऑडियंस है।

आपके शो संगमरमर की कहानी आपकी ही फिल्म एक विवाह ऐसा भी से मिलती-जुलती है, जहां हीरो शादी के बगैर भी हीरोइन की पारिवारिक जिम्मेदारियों में साथ देता है। दोबारा ये कहानी कहना क्यों जरूरी लगा?

ये एक विवाह ऐसा भी से अलग है। ये आज के दौर में है। इनका सफर अलग है। बाकी कहानियां तो वही सात-आठ होती हैं। वही रिश्ते होते हैं, बस कहने का अंदाज अलग होता है और वक्त के हिसाब से माहौल बदल जाता है। इसमें आज का युग है। आज की परिस्थिति है। जैसे, एक उदाहरण देता हूं कि इसमें जो लड़की है, उसे 48 करोड़ कर्ज चुकाने हैं, जबकि उसे बिजनेस का कुछ पता नहीं है। काम पर कोई उसको सीरियसली लेता नहीं क्योंकि सबको भैया बोलती है। फिर अपने नेचर के विपरीत उसे चिल्लाना पड़ता है वो आज के वर्कप्लेस की मांग है। आपको बताऊं कि जब मैं असिस्टेंट था तो सेट पर हीरोइन, उसकी मम्मी और हेयरड्रेसर सिर्फ तीन औरतें होती थीं। बाकी चूड़ियों से लेकर कंटिन्यूटी तक सब हम खुद करते थे। आज सेट पर इतनी सारी लेडीज होती हैं, लेकिन आज भी मेरी लेडी कोरियोग्राफर या एडिटर बताती हैं कि पुरुषों को ऑर्डर देना कितना मुश्किल है। उन्हें उनके ईगो को मैनेज करना पड़ता है, तब काम होता है तो ये कहानी तो पुरानी होगी नहीं। अलग-अलग तरह से हम हर बार इसका सामना करते हैं।

आपने मैंने प्यार किया से लेकर हम आपके हैं कौन जैसी इतनी सारी कामयाब फिल्में बनाई हैं। आज के दौर में थिएटर में फिल्में जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, मेकर्स कहां गलती कर रहे हैं?

हमारी गलती यह है कि आज मार्केटिंग पर जोर ज्यादा बढ़ गया है। सबकी नजर बस ओपनिंग डे, वीकेंड कलेक्शन पर रहती है। जबकि, फैमिली ऑडियंस संडे के बाद थिएटर में आना शुरू होती है। उनकी सोच ये होती है कि पहले सुन लो कि फिल्म कैसी है। मैं तब जाऊं जब पार्किंग की टेंशन न हो, ट्रैफिक कम हो। जबकि, हम लोग वीकेंड के बाद इंतजार ही नहीं करना चाहते। वीकेंड तक ही सब कमा लेना चाहते हैं और जब ऐसी सोच हो तो मेकर्स सुरक्षित रास्ता ही अपनाते हैं, लेकिन ये एक दौर है।

आप फैमिली वाली फिल्में बनाते हैं और आपकी फिल्मों के प्रेम यानी सलमान खान निजी जिंदगी में खुद बड़े फैमिली मैन हैं। आपको लगता है कि आप दोनों की रिश्तों की मजबूती में यह भी एक पहलू रहा?

सभी चीजें रहीं। जब आप किसी के साथ अपना करियर शुरू करते हैं तो वह रिश्ता ही अलग होता है। हमारी दोस्ती 20-21 की उम्र में शुरू हुई और तब से चल रही है। हममें बहुत सी बातें कॉमन हैं। हम दोनों परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। वह भी समान जिम्मेदारी महसूस करते हैं। हम एक ही वैल्यू सिस्टम में यकीन करते हैं। एक पीढ़ी से हैं तो यह एक साथ स्कूल जाने जैसा है। यह रिश्ता शब्दों से परे है।

बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की मांग बढ़ी, खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क

–स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली,।

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। शायद चौथी तिमाही या उसके बाद ही ऐसा हो, क्योंकि मेमरी की कमी कम से कम डेढ़ साल तक बनी रहने की आशंका है।आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है, जब ज्यादा इनपुट लागत के शुरुआती झटके को वैश्विक पर महसूस किया गया था। उन्होंने कहा कि ब्रांड इस बात पर

विचार कर रहे हैं कि मॉडल लाने में देरी करें या कम स्पेसिफिकेशन्स वाले फोन पेश करें।

कंपनियों के लिए सिम बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली,।

सरकार ने कंपनियों के लिए सिम की बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। अलबत्ता दूरसंचार विभाग से कोई आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के साथ-साथ मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों और डिवाइस विनिर्माताओं को मदद मिलेगी, जिन्होंने तकनीकी चुनौतियों का हवाला देते हुए इस निर्देश को लागू करने पर चिंता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि सिम-बाइंडिंग के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने शुरुआत तो की थी, लेकिन छोटे स्तर पर।बता दें दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को निर्देश जारी किए थे। इसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि देश में ऐप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाले प्लेटफॉर्म के लिए सिम-बाइंडिंग हो। इसका मतलब था कि ओटीटी ऐप को किसी डिवाइस पर चलाने के लिए हमेशा ही केवाईसी सत्यापित किसी फिजिकल सिम की जरुरत होगी। इस निर्देश में पहचान या सेवा वितरण के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया था।

एलपीजी संकट के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता

नई दिल्ली ।

वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा

स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है। कई इलाकों में सिलिंडरों की कालाबाजारी से ऊंची कीमतों पर खरीद के मामले भी सामने आए हैं। रेस्तरां उद्योग सेवा क्षेत्र में खुदरा और बीमा के बाद तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है जिसका 2026 में अनुमानित कारोबार 6.46 लाख करोड़ रुपये है

और यह 80 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। एनआरएआई का अनुमान है कि अगर संकट अनसुलझा रहता है, तो इस क्षेत्र में मौजूदा व्यवधान के कारण 5-7 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

- जलगांव में केले की कीमत घटी, मात्र 25 फीसदी रह गई

जलगांव।

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं।

लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था,

उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है।

उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

भारतीय रुपया 12 साल में बढ़त से सबसे मजबूत, 93.25 पर पहुंचा

–आरबीआई ने करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज की

नई दिल्ली,।

भारतीय रुपया 12 साल में गुरुवार को सबसे बड़ी बढ़त के साथ मजबूत हुआ। इसकी मुख्य वजह यह रही कि बैंकों की स्थानीय मुद्रा स्थितियों पर सीमाएं सख्त करने के कुछ दिनों बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफशोर डेरिवेटिव मार्केट पर प्रतिबंधों का विस्तार करके करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार शुरू होने पर रुपया डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी तक मजबूत होकर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद सबसे बड़ी तेजी है। यह तेजी ऐसे समय आई है जब एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्राएं कमजोर बनी हुई थीं। इसी बीच ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के संकेत दिए, जिससे वैश्विक बाजारों में दबाव बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड 5.24 फीसदी बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.5 फीसदी चढ़कर 104.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशियाई शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी में 3 फीसदी तक की गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत भी कमजोर रही, जहां सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी तक गिर गए। मुद्रा बाजार सोमवार से बंद थे। 31 मार्च को महावीर जयंती, 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के कारण मुद्रा बाजार बंद रहे और 3 अप्रैल को भी गुड

फ्राइडे के कारण बाजार बंद रहेंगे।

आरबीआई ने बैंकों को रुपए से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोक दिया है। साथ ही, कंपनियों को कैंसिल किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने की अनुमति भी नहीं दी है। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों की नेट ओपन रुपए पोजिशन पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय की थी। इसके अलावा बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने से भी मना किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 700 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार है,

जो सट्टेबाजी को रोकने और जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त है।

क्रिसिल और केयरएज रेटिंग एजेंसियों की दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी

–पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चलेगा

नई दिल्ली,।

क्रिसिल और केयरएज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी की सूचना दी है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से भारत के उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चल सकेगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात गिर गया। बहरहाल, आईसीआरए ने कहा कि ऋण अनुपात वित्त वर्ष 2025 के 2.0 गुना की अपेक्षा वित्त वर्ष 2026 में सुधरकर 3.1 गुना हो गया। इससे 388 अपग्रेड के मुकाबले 124 डाउनग्रेड हुआ।रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूक दर 0.4 फीसदी पर कम बनी हुई है और यह अनुकूल ऋण स्थितियों का संकेत देती है। ऋण अनुपात रेटिंग अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात है। यह वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात सुस्त होकर 1.50 गुना हो गया जबकि यह पहली छमाही में 2.17 गुना था। इस अवधि में कुल मिलाकर रेटिंग 383 अपग्रेड और 255 डाउनग्रेड हुईं। क्रिसिल ने

बताया कि डाउनग्रेड दर 7.0 फीसदी तक बढ़ गई और यह 10 साल के औसत से थोड़ी ज्यादा है। नतीजतन ऋण अनुपात में नरमी आई। इसमें शुल्क-संबंधित अनिश्चितताओं के कारण निर्यात पर अधिक निर्भरता वाली कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। केयर एज रेटिंग्स ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात 1.93 गुना रहा, जो पहली छमाही में देखे गए 2.56 गुना से कम है। केयर एज रेटिंग्स ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7 फीसदी है

और यह 10 फीसदी के दीर्घकालिक औसत से नीचे बनी हुई है।

मशहूर चाय कंपनी गुडरिक अब बेचेगी घी और पनीर, यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को मिलेगा

–कंपनी प्रबंधक बोले– हम आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर

नई दिल्ली,।

गुडरिक ग्रुप अब चाय के प्याले से आगे की योजना बना रही है। गुडरिक ब्रांड के तहत घी और पनीर जैसे उत्पाद जल्द ही बाजार में आने वाले हैं। गुडरिक के बैनर तले 'ए2' घी पहला ऐसा गैर-चाय वाला ब्रांडेड उत्पाद होगा, जो अगले महीने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मिलने लगेगा। गुडरिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शैबल दत्त ने बताया कि हम भीड़भाड़ वाली आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर है। यह उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और हमारी अपनी वेबसाइट के जरिये गुडरिक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस पहल के तहत दुआर्स में कंपनी के लखीपाड़ा चाय बागान में करीब 150 गायें हैं। दत्त ने कहा कि हमारे बागान में करीब 70 हेक्टेयर खाली जमीन थी, जिसका इस्तेमाल अब डेरी परियोजना के लिए किया जा रहा है। साल 2026 के अंत तक गायों की संख्या बढ़कर करीब 180 हो जाएगी और अगले पांच सालों में यह संख्या 500 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। घी के बाद डेरी पोर्टफोलियो से पेश होने वाला अगला उत्पाद पनीर होगा। उन्होंने बताया कि हम अभी भी दूध और उसे पेश किए जाने वाले स्वरूप पर विचार कर रहे हैं, कि वह पाउच में होगा या बोतलों में ताजा दूध के रूप में होगा, लेकिन इसके लिए कोल्ड चेन में निवेश की जरुरत होगी। इसलिए हम अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

शहद और काली मिर्च कभी गुडरिक के दार्जिलिंग टी लाउंज, मार्गरिट्स डेक में सीमित तरीके से बेचे जाने वाले गैर-चाय उत्पादों में शामिल थे। अलबत्ता ये बिना ब्रांड वाले थे। गुडरिक की गैर-चाय वाली अपनी जमीन का लाभ उठाने की योजना पिछले साल

कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताई थी। कंपनी प्रबंधन ने कहा था कि वह अपनी भूमि परिसंपत्तियों का उपयोग करके विविध कृषि और आतिथ्य उद्यम तलाश रहा है। इनमें से हल्दी, लहसुन, अदरक, मशरूम के साथ-साथ डेरी और सूअर पालन जैसी शुरुआती परियोजनाएं विकास चरण में हैं।

इस कदम का उद्देश्य असम, दार्जिलिंग और दुआर्स में फैले चाय बागानों पर कंपनी की निर्भरता कम करना भी है। यह उद्योग बढ़ती लागत और कीमतों में स्थिरता से जूझ रहा है।

पिछले साल गुडरिक ने दो बागान बेचे, कुछ और पर भी विचार हो रहा है। ब्रांडेड चाय की गुडरिक के राजस्व में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है और निर्यात का हिस्सा 5 फीसदी है। ये दोनों कारोबार में ज्यादा मुनाफे वाले हिस्से हैं।

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च, टिकटों पर होगा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है, जो विमानन क्षेत्र में धीरे-धीरे दक्षता सुधार को दर्शा रही है। भारत के विमानन उद्योग की लागत संरचना में विमान ईंधन और तेल का हिस्सा वित्त वर्ष 2016 में 30 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 39 फीसदी हो गया। भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां परिचालन की कुल लागत का कम से कम एक-तिहाई पैसा ईंधन पर खर्च कर रही हैं। ईंधन मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि कर दी। तेल कीमतों में पिछले साल मार्च के बाद यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई।

सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली,।

सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे।बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

-मार्च महीने में बैंक ने 1140 अरब युआन निकाले, यह ड्रैगन की रणनीति

नई दिल्ली,।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींच लिया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि अब बैंक सतर्क हो गया है और बिना जरूरत ज्यादा पैसा डालने से बच रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बताता है कि चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल बाजार को ÷पैसों से भरने÷ के मूड में नहीं है। बैंक यह संकेत देना चाहता है कि सिस्टम में पहले से ही पर्याप्त पैसा मौजूद है और अभी अतिरिक्त मदद की जरूरत नहीं यानी बैंक अपनी ताकत बचाकर रखना चाहता है ताकि भविष्य में अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह तुरंत कदम उठा सके। दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी रकम निकालने के बावजूद ब्याज दरों में कोई हलचल नहीं दिखी। बाजार में ओवरनाइट कर्ज की दर करीब 1.3फीसदी के आसपास ही बनी हुई है। इसका मतलब साफ है कि भले ही पैसा निकाला गया हो, लेकिन आर्थिक माहौल अभी भी स्थिर और संतुलित बना हुआ है।हालांकि अभी बैंक सतर्क नजर आ रहा है, लेकिन कई विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में हालात बदल सकते हैं। अगर महंगाई का असर ज्यादा नहीं बढ़ा या आर्थिक दबाव फिर से बढ़ा तो बैंक ब्याज दरें घटा सकता है या बैंकों के लिए नकद रिजर्व नियमों में ढील दे सकता है यानी अभी खेल खत्म नहीं हुआ। चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठा रहा है। न तो वह अर्थव्यवस्था को झटका देना चाहता है और न ही बेवजह ज्यादा पैसा डालना चाहता है। यह एक तरह का संकेत है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और सही समय आने पर ही बड़ा कदम उठाया जाएगा। अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि आने वाले महीनों में चीन की अगली चाल क्या होगी।

एक नजर

पारथा गांव में नहीं आ रहा पानी, स्रोतों से भर रहे

चमोली। ब्लॉक के पारथा गांव में पांच वर्षों से पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। ऐसे में ग्रामीणों को स्रोतों से पानी भरना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान गीता पिमोली ने कहा कि वर्ष 2020 में हरिनगर लेटाल, कुराड़ और पारथा तीन गांवों को पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से योजना का निर्माण किया गया था। इसके बाद कुराड़ गांव तक तो पानी पहुंचा लेकिन हरिनगर, लेटाल और पारथा के ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पाया। कहा कि पारथा गांव में जल निगम ने पाइप भी नहीं बिछाए हैं। इस मुद्दे को बीडीसी और जनता दरबार में भी उठाया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। वहीं जल निगम के अवर अभियंता हेमंत कुमार ने बताया कि आपदा से लाइन क्षतिग्रस्त हुई थी। वैकल्पिक व्यवस्था कर पारथा टैंक तक पानी पहुंचाया गया है। इसके साथ ही पारथा के लिए दूसरे स्रोत से नई योजना बनाई जाएगी जिसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

निर्माण कार्य से पैदल मार्ग और पेयजल कनेक्शन क्षतिग्रस्त

गौचर। पालिका क्षेत्र के अंतर्गत पनाई तल्ली और मुख्य बाजार वार्ड में जल संस्थान की ओर से बिछाई जा रही नई पेयजल लाइनों से पैदल मार्ग और पेयजल कनेक्शन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं जिससे लोगों में आक्रोश है। नगर क्षेत्र के लिए 34 करोड़ की लागत से जल संस्थान की ओर से पेयजल स्टोरेज टैंक, फिल्टर निर्माण और पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों और मोहल्लों में पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। हरीश जोशी, नरेंद्र बिष्ट, अंकित डिमरी, कुलदीप सिंह, महादेव बहुगुणा, धनंजय सेमवाल आदि ने बताया कि लाइन बिछाने के कारण कार्यदायी संस्था ने वार्डों के पैदल रास्ते, चहारदीवारी और उपभोक्ताओं की पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त कर दी हैं।

किसी छात्र को शून्य तो किसी को दो नंबर दिए

चमोली। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पोखरी में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आक्रोश जताया। उन्होंने कहा बीएससी प्रथम सेमेस्टर में किसी छात्र को शून्य तो किसी को एक या दो नंबर दिए हैं। उन्होंने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर 15 दिन में गड़बड़ी ठीक नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। अखिल भारतीय विद्यार्थी के जिला संयोजक सौरभ बर्त्वाल के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य डॉ. रीटा शर्मा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय की ओर से जंतु विज्ञान, रसायन विज्ञान और वनस्पति विज्ञान जैसे विषयों के परीक्षा परिणाम में भारी गड़बड़ी की गई है। कई छात्रों को शून्य अंक हैं तो किसी को एक या दो अंक दिए गए हैं। इस तरह की अनियमितताएं छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। उन्होंने कहा कि 15 दिन में इस गड़बड़ी को ठीक किया जाए अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।

छात्रों ने फूंका पुतला, प्रदर्शन किया

कर्णप्रयाग/गैरसैंण। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राजकीय महाविद्यालय गैरसैंण में बीए, बीएससी के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में कई छात्र–छात्राओं को अनुत्तीर्ण किया गया है। इससे गुस्साए छात्र–छात्राओं ने महाविद्यालय के मुख्य गेट पर श्री देव सुमन परीक्षा नियंत्रक का पुतला फूंका और प्रदर्शन किया। छात्र संघ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालयों की ओर से जारी किए गए परिणाम में 70 प्रतिशत से अधिक छात्र–छात्राएं अनुत्तीर्ण किए गए हैं।

'संस्कार युक्त, नशामुक्त युवा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार। टूरिस्ट संदेश फॉउण्डेशन तथा डॉ. पी.द.ब.हि.रा.स्ना.महावि. कोटद्वार के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के प्राचार्य महोदय, प्रोफेसर (डॉ.) डी.एस.नेगी की अध्यक्षता में समृद्ध राष्ट्र के लिए 'संस्कार युक्त, नशामुक्त युवा' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सुभाष चन्द्र नौटियाल तथा कॉलेज में एंटी ड्रग क्लब के नोडल अधिकारी जुनिस कुमार के संयोजन में आयोजित इस भाषण प्रतियोगिता के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी सत्य प्रकाश थपलियाल तथा विशिष्ट वक्ता प्रकाश कोठारी एवं कै. पी.एल.खन्तवाल थे। भाषण प्रतियोगिता में कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा धरा रावत, द्वितीय स्थान एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा श्वेता बेंजवाल तथा तृतीय स्थान आशीष काला बीए द्वितीय सेमेस्टर ने हासिल किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) डी.एस. नेगी ने कहा कि, जीवन में नशामुक्ति के लिए भारतीय संस्कृति के स्थापित संस्कारों से आत्मसात करने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सब को सामूहिक प्रयास करने होंगे।

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध समाजसेवी सत्य प्रकाश थपलियाल ने कहा कि, हमारे नौनिहाल भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं। हमारा राष्ट्र उन्नति के पथ पर तभी अग्रसर हो सकता है जब हमारे युवा संस्कार युक्त, नशामुक्त जीवनशैली अपनायेंगे। विशिष्ट वक्ता प्रकाश कोठारी तथा कै.पी.एल.खन्तवाल ने बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए माता–पिता को नशामुक्त रहने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है तभी हमारा समाज संस्कार युक्त, नशामुक्त हो सकता है। डॉ एस.के. गुप्ता ने कहा कि, संस्कार युक्त, नशामुक्त समाज बनाने के लिए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ विशन लाल शाह, डॉ प्रियंका भट्ट तथा अजयपाल सिंह रावत थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ सुषमा थलेड़ी ने किया। कार्यक्रम के अन्त में अरविन्द दुदपुड़ी ने उपस्थित सभी सम्मानित जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में संस्कार युक्त नशामुक्त जीवन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ) डी.एस. नेगी ने उपस्थित सभी जनों की प्रतिज्ञा करवायी।

इस अवसर पर प्रोफेसर (डॉ.) रमेश चौहान, डॉ सुनीता नौटियाल, योगेश धस्माणा, डॉ हीरा सिंह, डॉ सुशील बहुगुणा, डॉ मनोरथ नौगांई, अंजलि, डॉ विनोद सिंह, निखत अंसारी, मिलन, डॉ चन्द्रकला कण्डवाल, चक्रधर कण्डवाल, सुन्दर लाल जोशी, नेत्र सिंह रावत, मंजू रावत, प्रकाश चन्द्र भट्ट, चन्द्र मोहन जोशी, हेमराज आदि गणमान्य लोग तथा महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

नागपुर से चल रहा था साइबर फ्रॉड का खेल, रांची से मास्टर माइंड गिरफ्तार

15 लाख से अधिक की साइबर ठगी का खुलासा, व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर करवाते थे फर्जी ट्रेडिंग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी पुलिस ने 15 लाख से अधिक की साइबर ठगी का खुलासा किया है। पुलिस ने रांची से मास्टर माइंड से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार नागपुर से साइबर ठगी का खेल चल रहा था। ठग सात सौ गुना मुनाफे का लालच देकर व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर फर्जी ट्रेडिंग करवाते थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने बताया कि 23 अक्टूबर 2025 को वादी दिनकर कुमार पोखरियाल निवासी धुमाकोट द्वारा थाना धुमाकोट पर एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया। शिकायती पत्र में बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन ट्रेडिंग व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर इन्वेस्ट करने पर 700 प्रतिशत का फायदा दिलाने के नाम पर 15,24,496/– रुपये की ऑनलाईन ठगी की गयी है। जिस सम्बन्ध में थाना धुमाकोट में सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार मनोज कुमार ठाकुर एवं क्षेत्राधिकारी कोटद्वार श्रीमती निहारिका सेमवाल के पर्यवेक्षण, थानाध्यक्ष धुमाकोट सुनील पंवार के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि व्हाट्सएप ट्रेडिंग ग्रुप के माध्यम से ठगी का संचालन जयन्त ताराचन्द अन्नापुर्णे द्वारा नागपुर, महाराष्ट्र से किया जा रहा था। उक्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा नागपुर में अलग-अलग जगहों पर दबिश दी गई, जहां पता चला कि अभियुक्त अपने सहयोगी अजय रामभरोसे वाल्मीकी के साथ एक अन्य धोखाधड़ी प्रकरण में रांची जेल में निरुद्ध है।

इस पर विवेचक द्वारा माननीय न्यायालय धुमाकोट से अभियुक्तों का वारंट बी प्राप्त किया गया। 1 अप्रैल 2026 को अभियुक्त जयन्त ताराचन्द अन्नापुर्णे पुत्र ताराचन्द तुकाराम अन्नापुर्णे, निवासी अमरावती रोड़, झांसीरानी बस स्टॉप देवलामति, नागपुर महाराष्ट्र, व ए/बी फ्लेट नं0 33 व्यंकटेशनगर नन्दन वन निकट के.डी.के कॉलेज, हनुमान नगर नागपुर, महाराष्ट्र को रांची जेल से लाकर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। साथ ही सह-अभियुक्त अजय रामभरोसे वाल्मीकी को भी वारंट बी के माध्यम से रांची जेल से लाकर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया प्रचलित है। इस प्रकरण में पूर्व में सह अभियुक्त दया कृष्ण पैनरू, निवासी हल्द्वानी के विरुद्ध धारा 35(3) बीएनएस के तहत कार्रवाही की जा चुकी है।

लोन की राशि 14.91 लाख भुगतान के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सिविल जज (सी.डि) पौड़ी अमित भट्ट की अदालत ने फर्म खोलने के नाम पर कैनरा बैंक श्रीनगर से लिए गए 15 लाख के (सीसीएल) लोन के सापेक्ष फर्म स्वामी को 14.91 लाख की राशि एक महीने के भीतर ब्याज सहित चुकाने का फैसला सुनाया है। अदालत ने फर्म स्वामी को 14,91,316 रुपये की बकाया राशि 10.15 प्रतिशत के वार्षिक ब्याज दर के साथ एक महीने के भीतर भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

मामले के अनुसार बैंक की ओर से दायर वाद में बताया गया कि श्रीनगर निवासी दीपक उनियाल ने अपनी फर्म रूद्रांश ट्रेडर्स के लिए 2014 में बैंक से 15 लाख का कैश क्रेडिट ऋण (सीसीएल) लिया था। इसमें सुशील चंद्र उनियाल को जमानती बनाया गया था। बैंक ने लोन जारी करने के साथ ही ऋण अनुबंध पत्र पर दोनों के हस्ताक्षर करवाए और शर्तें भी बताईं, लेकिन फर्म स्वामी ने समय पर किश्तों और ब्याज का भुगतान नहीं किया। खाते में लगातार लापरवाही के चलते 30 दिसंबर 2021 को बैंक ने उसे गैर-निष्पादित परिसंपत्ति यानी एनपीए घोषित कर दिया। बैंक ने कई बार बकाया राशि जमा करने के लिए फर्मस्वामी को नोटिस भेजे बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इस पर बैंक प्रबंधक गौरव कुमार ने जुलाई 2023 में अदालत की शरण ली। बैंक की ओर से बताया गया कि 30 जुलाई 2023 तक फर्म स्वामी पर ब्याज सहित कुल 14,91,316 रुपये का बकाया है। सुनवाई के दौरान फर्म स्वामी ने बैंक के दावों को चुनौती दी और कई बिंदुओं पर आपत्ति जताई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और अभिलेखों का परीक्षण करने के बाद अदालत ने बैंक के पक्ष में फैसला सुनाया।

डीएम ने ली जिला स्तरीय हिमोत्थान परियोजना समिति की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जिला स्तरीय हिमोत्थान परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कृषि, उद्यान, पर्यटन, रीप, डेयरी विकास एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को हिमोत्थान सोसाइटी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए, स्थानीय जनता को रोजगार प्रदान करने, आमदनी में वृद्धि करने व जीवन स्तर को सुधारने में सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिये।

हिमोत्थान सोसाइटी चमोली के टीम लीडर डॉ. आर.एस कोश्यारी ने जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि हिमोत्थान सोसाइटी टाटा ट्रस्ट की एक पहल के रूप में वर्ष 2007 से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश एवं लद्दाख में प्रारम्भ किया गया था। यह सोसाइटी विशेषकर ग्रामीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सोसाइटी का उद्देश्य हिमालयी क्षेत्र की जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाना और आजीविका के स्थायी साधन विकसित करना व स्थानीय जनता को अलग-2 क्षेत्रों में कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान करवाना है। हिमोत्थान सोसाइटी जनपद के थराली, देवाल, कर्णप्रयाग, दशोली एवं जोशीमठ विकासखंड के 218 गांव में कार्य कर रही है। जो पशुपालन, मोन पालन, कृषि, पर्यटन, और जल संरक्षण के माध्यम से स्थानीय जनता को अतिरिक्त आमदनी के स्रोत के रूप में सहायक सिद्ध हो रही है।

इस दौरान बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी, जयप्रकाश तिवारी, हिमोत्थान संस्था से शशिभूषण उनियाल, दीक्षा पुण्डीर एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्य बहिष्कार शुरू

रुद्रप्रयाग। मानदेय में वृद्धि, समान कार्य के लिए समान वेतन, राज्य कर्मचारी घोषित करने समेत कई मांगों पर कार्रवाई न होने से नाराज आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने संपूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। इसके बाद उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारी को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी होतीं तब तक केंद्रों में तालाबंदी की जाएगी और कोई कार्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य कमेटी के निर्णय के पर 14 मार्च को राज्य स्तरीय रैली में मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया गया था लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उस दौरान पुलिस ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जिससे उनमें आक्रोश बना है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पहले ही उन्होंने केवल उपस्थिति दर्ज करने और पोषण ट्रैकर तक सीमित रहने का निर्णय लिया था लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। ऐसे में अब संगठन ने पूर्ण कार्य बहिष्कार और केंद्रों में तालाबंदी का निर्णय लिया है।

उत्तर रेलवे

प्रस्ताव के लिये अनुरोध

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर स्थानों का अधिकतम व्यावसायिक दोहन हेतु परामर्श प्रदान करने हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) दिनांक 24.04.2026 को 15:00 बजे तक IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की गई है। संपूर्ण जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

1119/2026 कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग/मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बंच केबल बिछाने से करंट और चोरी की घटनाओं पर लगेगी रोक

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय के नई टिहरी और बौराड़ी क्षेत्र में ऊर्जा निगम पुरानी हो चुकी खुली तारों को हटाकर उसकी जगह बंच केबल बिछाने में जुटा है। इससे करंट की घटनाएं कम होने के साथ ही बिजली चोरी भी नहीं हो पाएगी। केंद्र सरकार की (आरडीएसएस) रिवीमैपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (पुनः निर्मित वितरण क्षेत्र योजना) के तहत इन दिनों जिला मुख्यालय में बंच केबल बिछाने के कार्य किया जा रहा है। विभाग ने अब तक नई टिहरी बाजार, सी ब्लॉक, ई, एफ, एच, जी ब्लॉक सहित बौराड़ी के विभिन्न सेक्टरों और ब्लॉकों में पुरानी हो चुकी खुली बिजली के तारों हटाकर नई बंच केबल बिछाने के काम कर दिया है। विभागीय कर्मचारियों ने बताया कि क्षेत्र में अब तक करीब 25 किमी से अधिक बंच केबल बिछाई जा चुकी है। सबसे पहले नगर के उन क्षेत्रों में बंच केवल बिछाने का काम किया गया जहां पर तारे लोगों के घरों के पास से गुजर रही थी। बर्फबारी और आंधी–तूफान में तारों के आपस में टकराने से शॉर्ट सर्किट होने से तारों के टूटने के साथ करंट का खतरा बना रहता है। नई बंच केबल बिछाने के बाद बिजली कम प्रभावित होगी। वहीं रख–रखाव में खर्चा भी कम होगा।

सेना ने रोका औली सड़क सुधारीकरण का कार्य

चमोली। औली में मुख्य सड़क से जीएमवीएन गेस्ट हाउस तक चल रहा सड़क सुधारीकरण कार्य रोक दिया गया। सेना का कहना है कि यह भूमि सेना के नाम पर है। औली में मुख्य सड़क से जीएमवीएन तक करीब पांच सौ मीटर सड़क लंबे समय से बदहाल बनी हुई थी। जीएमवीएन ने जिला योजना से इसके लिए 40 लाख रुपये स्वीकृत करवाए। कुछ दिन पहले यहां पर कार्य शुरू कर दिया गया था। बीते बुधवार को सेना ने सड़क सुधारीकरण कार्य रुकवा दिया है। जीएमवीएन के जेई अजय चौहान ने बताया कि सेना के लोगों ने काम रुकवाया है।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 921/18ए0सी0 दिनांकः- 01/04/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 07/04/2026 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 03/04/2026 से 06/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 07/04/2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 77 से 85 में पैच मरम्मत का कार्य।	24000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी मोटर मोटर मार्ग (एस0एच0 09) के किमी0 86 से 95 में पैच मरम्मत का कार्य।	33000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्नेह कुम्भीचौड़ मोटर मार्ग के किमी0 1 में पैच मरम्मत का कार्य	30000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत लोकमणिपुर सम्पर्क मार्ग के किमी0 1 से 2 में पैच मरम्मत का कार्य।	21000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत कौड़िया-मोटाढ़ाग मोटर मार्ग के किमी0 1 से 7 में पैच मरम्मत का कार्य।	30000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 08/04/2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

प्रभावितों ने रोका परियोजना का काम, सीआईएसएफ के जवानों के साथ नोकझोंक

चमोली। एनटीपीसी की 520 मेगावाट की तपोवन–विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों ने मांगों को लेकर परियोजना का कार्य रुकवा दिया और प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान उनकी सीआईएसएफ के जवानों के साथ नोकझोंक भी हुई। बाद में ग्रामीण दूसरी जगह पर पहुंचे और सभी जगहों का काम रुकवा दिया। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक आंदोलन जारी रहेगा। परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों की मंगलवार को एनटीपीसी कंपनी के अधिकारियों के साथ वार्ता विफल रही थी। इसके बाद ग्रामीण बुधवार से आंदोलन कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को ग्रामीणों ने तपोवन, सेलंग व अणीमठ की तरफ धरना दिया। सेलंग साइट में ग्रामीण काम रुकवाने के लिए पहुंचे और गेट के अंदर जाने लगे तो सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान उनकी गेट पर तीखी नोकझोंक हुई और उसके बाद ग्रामीणों ने परियोजना के टीवीएम व टरबाइन साइड पर पहुंचकर कार्य रुकवा दिया। उसके बाद तपोवन से बैराज साइड जाने वाले मार्ग पर धरना दिया। प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष मोहन बजवाल ने बताया कि कंपनी के सभी कार्यों को रोक दिया गया है जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जातीं तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस

मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं। ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता

है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।' पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बतायो

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है।जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी।इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे।जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था।वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था।जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं।उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी।जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई ।उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है।उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है।वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था।वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी।उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है।इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा।अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं।उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते।भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते।कुछ मैच खिलाते।इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है।उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए।वह अभी बड़ा नहीं हुआ है।वह अभी बच्चा है।अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है।उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है।इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लुसाने (एजेंसी)। खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस्न ष्ठष्ठ ने कहा, 'ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर

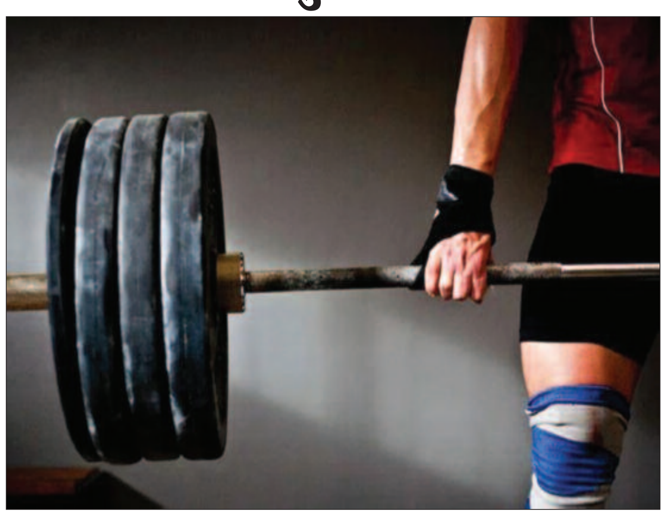

संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं।इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं।अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया।इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है।उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है।वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं।इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं।डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था।उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी।टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं।इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता।नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे।इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था।इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था।इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए।उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं।उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं।अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए।उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो।जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको ।इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी।वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

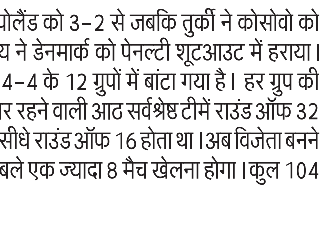

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया।चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी।अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था।अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा।कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।